आज का सुविचार
यह सत्य है कि धन और शक्ति मनुष्य को असभ्य, असभ्य बना देती है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
संपादक-नागेश नरवरिया

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 49 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 10 जनवरी 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

BNS-78, महिला की जासूसी करना कब अपराध होता है जानिए

किसी महिला का पीछा करना, इन्टरनेट पर नजर रखना आदि भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 78 के अंतर्गत अपराध होता है । लेकिन महिला का पीछा करने के उद्देश्य कोई आपराधिक सोच का होना अति-आवश्यक है बेसिक पीछा करना अपराध नहीं होगा।

इसके निम्न अपवाद भी है जानिए-

1. ऐसा कार्य जो किसी अपराध निवारण या पता लगाने के प्रयोजन से किया गया है अपराध नहीं होगा।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

2. किसी विधि के अधीन किसी शर्त या अपेक्षा अनुसार किया गया पीछा या जासूसी अपराध नहीं होगी।
3. किसी विशिष्ट परिस्थितियों में न्यायोचित आचरण के लिए की गई जासूसी या पीछा करना अपराध नहीं होगा।

जासूसी करना कब अपराध होगा जानिए- भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 78(iii) की परिभाषा ??

किसी स्त्री को ऐसी किसी तरह देखना या उसकी जासूसी करना जिससे उसके मन मे गंभीर भय,डर, हिंसा जैसी भावना उत्पन्न हो तब ऐसे व्यक्ति पर BNS की धारा 78(iii) के अंतर्गत मामला दर्ज होगा।

Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023
section78(ili) Punishment

इस धारा के अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं अर्थात इस अपराध में डारेक्ट पुलिस एफआईआर लिख सकती है एवं ज़मानत भी पुलिस थाने से दे दी जाती हैं। इस अपराध की सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है। सजा - इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास और जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

2. अगर कोई व्यक्ति इसी अपराध को दुबारा करता है तो यह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध होगा, सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा होगी, सजा - इस अपराध के लिए अधिकतम पांच वर्ष की कारावास और जुर्माने से दण्डित किया जाएगा।

BNS - 26,इलाज करते समय डॉक्टर के हाथों किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए तब वह कब अपराध नहीं होगी जानिए

कहते हैं कि डॉक्टर मरीज को लिए भगवान का रूप होते हैं, वह अपने मरीज को बचाने के हर सम्भव प्रयास भी करते हैं इसी की ध्यान में रखते हुए , उच्चतम न्यायालय ने कहा बिना किसी कारण के डॉक्टर पर यदि आपराधिक मामला चलाया जाएगा तो समाज के लिए यह हितकर नहीं होगा क्योंकि डॉक्टर किसी मरीज का स्वतंत्रता से इलाज नहीं कर सकता है एवं रोगी और डॉक्टर के बीच में विश्वास गिरने लगेगा। डॉक्टर अपनी प्रतिरक्षा के लिए अधिक चिंतित होंगे इस लिए डॉक्टरों को कानून में इलाज करने की स्वतंत्रता दी है अर्थात उसके इलाज करते हुए मरीज़ की मृत्यु हो जाती है तो वह अपराध नहीं होगा जानिए-

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 26 की परिभाषा?

बिना आपराधिक उद्देश्य से किसी व्यक्ति के फायदे के लिए उसकी सहमति से किया गया सावधानीपूर्वक कार्य जिसके कारण कोई गंभीर उपहति या मृत्यु कारित हो जाए वह BNS की धारा 26 के अंतर्गत किसी भी प्रकार का अपराध नहीं होगा।

जुम्मन खाँ बनाम सम्राट मामला जानिए- मामले में न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया कि जहाँ किसी डॉक्टर को धारा-88 (अब वर्त्तमान में BNS की धारा 26) के अधीन संरक्षण दिए जाने का प्रश्न हैं, मामले में तीन बातों पर विचार किया जाना आवश्यक है। पहला यह कि रोगी को यह पता हो कि इलाज या ऑपरेशन जोखिम भरा है इससे उसे खतरा उत्पन्न हो सकता है या कोई गंभीर हानि भी। दूसरा यह कि इसके लिए रोगी की सहमति(स्वीकृति) आवश्यक है। तीसरा यह कि डॉक्टर द्वारा अपना कार्य सद्भावनापूर्वक किया गया हो,अर्थात अपने कार्य में सावधानी एवं सतर्कता बरती हो तभी इस धारा के अंतर्गत बचाव मिल सकता है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

मध्यप्रदेश में प्लास्टिक उद्योग के विकास की अपार संभावनाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने किया प्लास्टिक उद्योग सम्मेलन प्लास्टपैक 2025 का शुभारंभ

- **प्लास्टिक उद्योग से जुड़ी 400 से अधिक कंपनियां और 2 हजार से अधिक प्रदर्शक ले रहे है हिस्सा**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में प्लास्टिक उद्योग के विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह उद्योग का नया क्षेत्र है और इसका बड़ा बाजार है। इस उद्योग में रोजगार की भी बेहतर और बड़े अवसर हैं। प्लास्टिक उद्योग के विकास के लिए इसके दुष्प्रभाव को दूर कर सावधानी रखते हुए आगे बढ़ेंगे। प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए रियूज और वेस्ट मैनेजमेंट को बढ़ावा दिया जाएगा। रियूज और वेस्ट मैनेजमेंट की तकनीक को विक?सित करने के लिए वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की मदद भी ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में प्रारंभ हुए प्लास्टिक उद्योग सम्मेलन प्लास्टपैक 2025 को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन 12 जनवरी तक उद्योग मेले के रूप में चलेगा। इसमें प्लास्टिक उद्योग से जुड़ी 400 से अधिक कंपनियां और 2 हजार से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के सहयोग से हो रहा है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला तथा श्री मधु वर्मा, महापौर परिषद के सदस्य श्री अभिषेक शर्मा तथा इंडियन प्लास्टपेक फोरम के चेयरमेन श्री सचिन बंसल आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्लास्टिक उद्योग के विकास की प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। इस उद्योग के विकास में पूरी मदद दी जाएगी। बदलते दौर में प्लास्टिक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह जीवन उपयोगी भी है। प्लास्टिक ने अपनी उपयोगिता कोविड काल में साबित की है। यह जीवन रक्षक के रूप में सामने आया है। कोविड के दौरान पीपीई कीट हो या मॉस्क आदि में प्लास्टिक का उपयोग हुआ है। जीवन में इसकी उपयोगिता को नकारा नहीं जा सकता है। प्लास्टिक के दुष्प्रभाव भी हैं। इन दुष्प्रभावों को दूर करने के प्रयास होंगे। पर्यावरण की चिंता भी रखी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति और नई दिशा दी जा रही है। प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए रिजनल स्तर पर इन्वेस्टर समिट आयोजित किये जा रहे हैं। इसके बेहतर परिणाम भी मिल रहें हैं। प्रदेश में अब तक 6 रिजनल इन्वेस्टर समिट आयोजित हो चुकी है। इनके माध?यम से चार लाख करोड़ रूपये का निवेश प्रदेश में आया है। इससे लगभग तीन लाख लोगों को रोजगा मिलेगा। उक्त निवेश से प्रदेश में 200 करोड़ रूपये का राजस्व भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में गुजरात मॉडल पर तेजी से विकास किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने सम्मेलन में लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के चेयरमेन श्री सचिन बंसल ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के साझा प्रयासों से आयोजित इस विशाल सम्मेलन में 400 से अधिक कंपनियां अपनी नवीनतम तकनीक, उत्पाद और नवाचारों का प्रदर्शन कर रही हैं।

राज्यपाल ने की विभिन्न विभागों की समीक्षा

जनजातीय कल्याण कार्यक्रम क्रियान्वयन का लक्ष्य अन्त्योदय हो : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय कल्याण कार्यक्रम क्रियान्वयन में अन्त्योदय का लक्ष्य रहें। जनजातीय समुदाय की सबसे पिछड़ी जनजाति, उसमें सबसे पिछड़े परिवार को हितलाभ देने में प्राथमिकता दी जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने गुरुवार को पशुपालन, उच्च शिक्षा, वन और जनजातीय कार्य विभाग की क्रमिक रुप से राजभवन में समीक्षा की। बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता भी मौजूद थे।

राज्यपाल द्वारा जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा

राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा में कहा कि प्रधानमंत्री की पहल जनमन कार्यक्रम जनजातीय समुदायों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का अभूतपूर्व प्रयास है। जनजातीय परिवार को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का दुर्लभ अवसर है। आवश्यकता संवेदनशीलता के साथ लक्ष्य बनाकर समर्पित भाव से कार्य करने की है। उन्होंने कहा कि जनमन के तहत बनी कार्य-योजना के कार्य समय पर पूरे हों और उनकी गुणवत्ता उत्कृष्ट हो। उन्होंने सिकल सेल के संबंध में चर्चा के दौरान कन्या छात्रावास के रक्त परीक्षण में 78 प्रतिशत लड़कियों में रक्त अल्पता मिलने की जानकारी देते हुए, छात्रावासों में पौष्टिक भोजन के अनुसार मेन्यू तैयार करने की जरूरत बताई। उन्होंने जनमन के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल वैन में सिकल सेल जांच और सिकल सेल औषधियों के वितरण की व्यवस्था किए जाने के लिए कहा है।

मैं भी बाघ'' और हम हैं बदलाव'' थीम पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू में अनुभूति कार्यक्रम

भोपाल। वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों को वन, वन्य-प्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी गयी। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से ÷मैं भी बाघ'' और ÷हम हैं बदलाव'' थीम पर प्रशिक्षण-सह-जागरूकता शिविर 9 जनवरी को आयोजित किया गया। शिविर में शासकीय राजीव गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माचना

कॉलोनी भोपाल के 108 छात्र-छात्राओं एवं 7 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। अनुभूति कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर के रूप में श्री ए.के. खरे, सेवानिवृत उप वन संरक्षक के साथ-साथ वन विहार के बायोलॉजिस्ट श्री विजय नंदवंशी भी उपस्थित रहे। इस दौरान संचालक वन विहार श्री मीना अवधेशकुमार शिवकुमार, सहायक संचालक वन विहार श्री एस.के. सिन्हा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। शिविर में सम्मिलित हुए प्रत्येक बच्चे को अनुभूति बुक, अनुभूति बैग, कैप, वन विहार के ब्रोशर के साथ-साथ जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति, गिद्ध कुंजी के ब्रोशर भी प्रदान किये गये। विद्यार्थियों को मास्टर ट्रेनर एवं नवीन प्रेरकों द्वारा पक्षी दर्शन, वन्यप्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों एवं फूड चैन की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्रतिभागियों ने फूड वेब, फूड चेन सम्बंधित खेल, खेलकर जानकारी प्राप्त की।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के अंतर्गत साइबर फ्राड ऑनलाइन स्कैम या ग्राहक शोषण मुक्ति अभियान का हुआ आयोजन

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/जयसिंहनगर - आज दिनांक 06/01/2025 को शासकीय अटल बिहारी वाजपेई महाविद्यालय जयसिंहनगर के सभागार में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत शहडोल के द्वारा ग्राहक जागरण अभियान तथा साइबर फ्रॉड जागरूकता अभियान को लेकर एक सामान्य सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. पी. एल. सागर(मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी मझौली), व विशिष्ट अतिथि-श्री सत्येंद्र प्रसाद चतुर्वेदी जी (थाना प्रभारी थाना जयसिंहनगर), श्री मुकेश तिवारी जी(प्रांत कार्य समिति सदस्य), श्रीमती जयश्री कचेर जी(मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जयसिंहनगर), श्री अनंत पांडे जी(जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत शहडोल), श्री लखन अवस्थी जी(जिला सचिव अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत शहडोल) तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी जी ने की। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा ग्राहक के अधिकारों व साइबर अपराध में सजग रहने को लेकर छात्र-छात्राओं को उद्बोधन दिया गया तथा मंच संचालक श्री अनुराग यादव (लैब टेक्नीशियन पीएचसी अमझोर) द्वारा रक्तदान महानदान समूह पर भी प्रकाश डाला गया इस कार्यक्रम का आयोजन अमन तिवारी जी द्वारा किया गया कार्यक्रम में सहयोगी कार्यकर्ता श्री रावेंद्र शुक्ला, शिवेंद्र सिंह,अमित अहिरवार व आशीष गुप्ता रहे।

जनवरी का महीना और जाड़े की रात

सुनो-सुनो ऐसी ही कुछ अजीब सी बात है।
सर्द है हवाएं और कंप- कपाती गात है।
बढ़ी है कनकनी तुषार से भीगी पात है
जनवरी का महीना और जाड़े की रात है।
सन-सन-सनन हवाएं बह रही है
मानो कटार से भी तेज इसकी धार है।
कट-कटाते दांत भी कुछ कह रहे हैं।
सिकुड़ते तन भी कुछ बयां है करती ।
हिम चादर सी बिछ गई है जमीं पर,
मानो बर्फ की सौगात है।
मौज में है वो जो पहने हुए हैं पूरे गर्म कपड़े।
देखिए दर्द-ए-हाल
जिनके जिस्म पर तनिक भी लिपटे नहीं है चिथड़े।
घटा घनघोर है टिप-टिप बरस रहे ओस और ओला।
धुंध से सड़कें दिखती नहीं यातायात ठप हो गया,
जबरदस्त पड़ रहा पाला।
दुबके हुए हैं सभी अपने महलों में
और ओढ़े कंबल,रजाई साथ है।
पर पूछो उनसे जिन्हें रहने के लिए छत नहीं,
खाने के लिए भोजन नहीं उनका क्या हाल है।
जगह-जगह नहीं हो रहे अलाव का प्रबंध।
चून-बिछ कर लोग जला रहे तिनका और खर-पात है।
बचो ठिठुरन और इन सर्द हवाओं से भीम!
अभी जनवरी का महीना और जाड़े की रात है।

भीम कुमार
नगवां,गांवा,गिरिडीह,झारखंड

सड़क हादसे मे दो युवक घायल

ज्ञान चन्द शर्मा/बालाघाट नवेगांव ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत समनापुर रोड पर विश्राम पुर के पास एक मोटर साईकिल साईकिल को टक्कर मारकर अनियंत्रित हो गई इस हादसे मे मोटरसाइकिल सवार संजय पिता पंचम मेश्राम 27 वर्ष ग्राम खरपडिया थाना परसवाडा और साईकिल सवार राकेश पिता मोहपत डोगरे 22 वर्ष ग्राम आमगाव निवासी घायल हो गए दोनो घायलो को जिला अस्पताल मे भती किया है जानकारी के अनुसार संजय मेश्राम मोटरसाइकिल मे बालाघाट से परसवाडा जा रहा था और समनापुर रोड विश्राम पुर के पास राकेश डोगरे साईकिल मे विश्रामपुर से अपने घर आमगाव जा रहा था तभी संजय मेश्राम की मोटरसाइकिल राकेश डोगरे की साईकिल से टकराकर अनियंत्रित हो गई जिससे संजय मेश्राम और राकेश डोगरे दोनो घायल हो गए जिनका उपचार किया जा रहा है

सीईओ ने डी एम एफ के कार्यो की नब्ज टटोली

ज्ञान चन्द शर्मा/बालाघाट जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने बिरसा विकासखंड के अतिसंवेदनशील ग्रामो के निरीक्षण किया इस दौरान उन्होने ग्राम पंचायत मछुरदा की बसाहट कोरका के जंगल मे निमित लघु तालाब एव डी एम एफ से निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्ष का निरीक्षण किया जिसमे उन्होंने दोनो ही कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान एससीए योजना से पुलिस चौकी कोरका मे कार्य पूर्ण पाया गया उपस्थित सरपंच एव ग्रामवासियो द्वारा बताया गया कि कोरका के करीब 150 घरो तक बिजली नही पहुंच पा रही है वही कुछ स्थानो पर विधुत के पोल खड़े पाए गए ग्राम पंचायत सालेटेकरी मे 15 वे वित से नवनिर्मित सीसी सड़क के निरीक्षण पर सीईओ सराफ ने प्रसार जोड को ठीक करने के निर्देश दिए इस दौरान ग्राम पंचायत कैडाटोला और भीमजोरी मे डी एम एफ से स्वीकृत कार्यो का भी निरीक्षण किया गया कैडाटोला के अलीन टोला मार्ग मे निमित पुलिया का एप्रोच ठीक करने एव भीम जोरी का सामुदायिक प्रशिक्षण जल्दी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए एव तकनीकी मार्गदशन भी दिया गया निरीक्षण के दौरान सर्व शिक्षा के सहायक यंत्री भास्कर शिव जनपद ससीईओ रितेश चौहान एव संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव तथा जनपद का तकनीकी अमला उपस्थित रहा।

कड़ाके की ठंड में शहर के सामाजिक संगठन ठंड से ठिठुरते गरीबों को कंबल के रूप में बांट रहे ज़िंदगी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

जहाँ लोग नववर्ष की मौजमस्ती में व्यस्त हैं। वहीं सर्दियों में हमारे आस-पास के बहुत से वंचित लोगों को भी बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है। ऊनी कपड़े आदि की कमी से उनका जीवन कठिन हो जाता है क्योंकि मौसम खराब हो जाता है। वहीं इस भीषणसर्दी में भोपाल के सोशल ग्रूपों के युवा समाजसेवी उनके इस कष्ट उन्हें ठंड से बचाव एवं राहत पहुँचाने में लगे हैं व अपने इस सेवाकार्य से गरीबों की ठंड मिटा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच रात 8 डिग्री तापमान और घने कोहरे के बीच भोपाल शहर की संस्थाओं जे के फाउंडेशन एवं भोपाल जंक्शन सोशल ग्रुप के युवा साथियों ने विभिन्न स्थानों जैसे फुटपाथों पुलों के नीचे कठिनाई में जीवन यापन करने वाले जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया। भोपाल शहर के सामाजिक संस्थाओं के युवाओं ने यहां कंबलों का वितरण किया है। संस्थाओं के सदस्य अनन्या मिश्रा कृष्ण्या,लक्की नेगी, उज़ेब कुरैशी , आर्यन श्रीवास्तव, नचिकेत गौर, सुषमा मिश्रा, राजकुमारी गौर कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

फिटनेस के नाम पर भी होने लगी धोखा-धड़ी धोखे से करा दिया लोन

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

छत्तीसगढ़/बालोद - आज कल धोखाधड़ी के नए तरीके नजर आ रहे हैं इसी तरह का एक नया मामला छत्तीसगढ़ बालोद से उजागर हुआ है आपको बता दें प्रताड़ित व्यक्ति का नाम सूर्यकांत साहू है जो कि छत्तीसगढ़ बालोद जिला में रहने बाले हैं और अपने काम के सिलसिले से इनका मुंबई में ज्यादा रहना होता है जिस कारण इनका वजन बहुत ज्यादा बढ़ा हुआ था और इसी दौरान इन्होंने इंटरनेट पर फिटेलो को कंपनी का प्रचार देखा जिसमें कुछ दिनों में वजन कम करने की बात कही जा रही थी फिर क्या था सूर्यकांत साहू ने इनसे संपर्क बनाए और इनके द्वारा चलाए जा रहा जो प्लान है उसको जानने की कोशिश की जानकारी मिलने के बाद कुछ हद तक सूर्यकांत साहू को चीज ठीक लगी । उसके बाद उन्होंने निर्णय लिया कि उनकी द्वारा जो प्लान चलाई जा रहा है कम से कम एक महीने का लिया जाये। जो कि प्रति माह 1095 रुपये का है इसके बाद रवि पाठक जो की फिटेलो को कंपनी के फिटनेस एडवाइजर हैं उनके द्वारा सूर्यकांत साहू को पूरी जानकारी दिए बगैर उनके क्रेडिट कार्ड की नम्बर ले कर 12 महीने के प्लेन से जोड़ दिया गया था। और सूर्यकांत साहू को जानकारी दी गई की जब आप इस प्लान को बंद करना चाहेंगे वैसे ही बंद हो जाएगा सूर्यकांत साहू कुछ दिन तक इनके प्लेन का इस्तेमाल करते रहे लेकिन कुछ दिन बाद इन्हें जब कोई फायदा नहीं हुआ तो इस प्लान को बंद करने की इच्छा के साथ इन्होंने रवि पाठक से बात की जो की फिटेलो को कंपनी के हेल्थ एडवाइजर हैं सूर्यकांत साहू ने इसे बंद करने की बात कही और उनके द्वारा कहां गया कि हमने आपका प्लेन बंद कर दिया है अब आपके खाते से किसी भी तरह की अतिरिक्त राशि नहीं कटेगी लेकिन कुछ दिन बाद ही सूर्यकांत साहू के खाते से 1095 रुपए फिर काट लिए गया । इसके बाद सूर्यकांत साहू ने बैंक से संपर्क बनाए। बैंक के द्वारा बताया गया की आपके क्रेडिट कार्ड पर लोन कर दिया गया है यह पैसा इस चीज का कट रहा है और बाकी से जांच करने पर पता चला की फिटेलो कंपनी द्वारा यह प्लान 1 साल का एक्टिव कराया गया है अब सूर्यकांत के खाते से लगातार हर महीने 1095 कट रहे हैं उसके बाद सूर्यकांत साहू ने फिटेलो कंपनी के कस्टमर केयर पर संपर्क बनाया और उनके द्वारा किए हुए एक्टिव प्लान को बंद करने की बात करी और उन्होंने यह भी बताया इसे मैं बहुत पहले ही बंद कर चुका था फिर किस बात के मेरे खाते से पैसे कट रहे हैं मुझे पूरी जानकारी दिए बगैर मेरे क्रेडिट कार्ड से लोन कर दिया गया और आपकी कंपनी के हेल्थ एडवाइजर के द्वारा 12 महीने का प्लान चालू कर दिया गया । इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं थी आप मुझे मेरे पैसे वापस कीजिए नहीं तो मैं आप पर कानूनी कार्रवाई करूंगा। सूर्यकांत साहू को फिटेलो कंपनी से न कोई सही सर्विस प्रोवाइडर हुई न उनके पैसे वापस किये जा रहे है। उल्टा इनका वजन टेंसन की वजह से बढ़ रहा है और जो खाते में नुकसान हुआ अलग ।

एचएमपीवी वायरस पहुंचा भारत,मिले मामले कोई नया नहीं है वाइरस एक्सपर्ट का मानना गंभीर स्थिति की आशंका नहीं

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

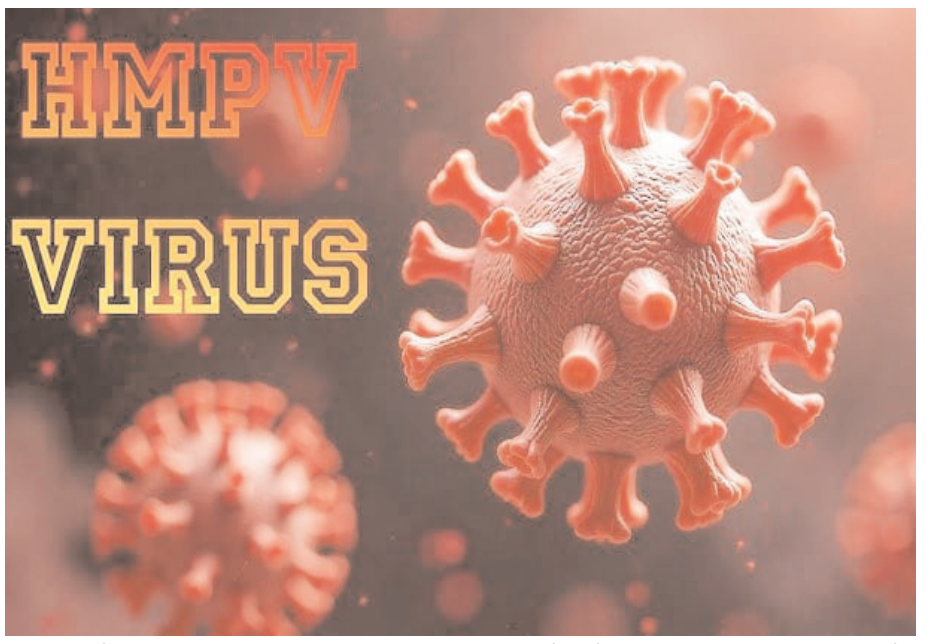

भारत में एक आठ और एक तीन महीने की बच्चियों में HMPV वायरस मिला है। यह चीन में फैला हुआ नया वायरस है। भारत में इस नए वायरस के ये पहले मामले हैं। भारत सरकार ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनीटरिंग ग्रुप की बैठक की थी। इसके बाद सरकार ने कहा था देश सांस से जुड़ी बीमारियों के मामलों में किसी भी बढ़त से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। चीन में फ्लू के बढ़ते मामलों की वजह RSV और एचएमपीवी इस मौसम में इन्फ्लुएंजा के सामान्य वायरस हैं। सरकार स्थिति पर कड़ी नज़र रख रही है। साथ ही WHO से चीन की स्थिति के बारे में समय-समय पर अपडेट देने को कहा है। ज़रूरी है कि हम इसके बारे में जाने और गलत जानकारियां फैलाने से बचें। इसलिए जानिए कि आखिर क्या है HMPV और अभी किस स्थिति में हैं हम दरअसल ह्युमन मेटान्यूमोवायरस या HMPV एक RNA वायरस है, जो फ्लू की तरह फैलता है। आमतौर पर यह खांसने या छींकने से निकलने वाली रेस्पिरेटरी ड्रॉपलेट्स से हवा के ज़रिए फैलता है। वायरस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने, वायरस से संक्रमित किसी चीज़ को छूने से भी यह फैल सकता है। इसके लक्षण संक्रमित होने के बाद 3 से 5 दिनों में दिखने लगते हैं। यह वायरस अक्सर सर्दी जैसे लक्षणों का कारण बनता है, जिनमें खांसी, बुखार, नाक बहना और गले में खराश शामिल हैं। यही वजह है कि कई लोग इसे सामान्य सर्दी समझने की गलती कर सकते हैं। कॉमन कोल्ड से अलग यह वायरस कई सीरियस हेल्थ कॉम्प्लीकेशन्स की वजह बन सकता है, जैसे ब्रोंकाइटिस निमोनिया और फाइब्रोसिस साथ ही फेफड़ों पर असर करने की वजह से यह गंभीर रूप ले सकता है। छोटे बच्चे, जिनकी इम्यूनिटी अभी पूरी तरह से विकसित नहीं हुई होती है, उन्हें इससे थोड़ा ज़्यादा ख़तरा है। साथ ही, बुजुर्ग या वो लोग जो अस्थमा या COPD जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, उनके लिए भी रिस्क ज्यादा है। इस वायरस के लिए अभी तक कोई एंटीवायरल दवा या वैक्सीन विकसित नहीं की गई है। इससे बचाव के लिए संक्रमित व्यक्ति या अगर किसी को सर्दी जुक़ाम है तो उससे दूरी बनाएं; खांसते-छींकते वक्त मुंह पर रुमाल रखें, मास्क पहन कर रखें। हाथ धोते रहें और भीड़ में जाने से बचें। सोशल मीडिया में आपको चीन में गंभीर स्थिति देखने को मिल रही होगी, लेकिन न तो WHO और न ही चीन के CDC ने अब तक किसी प्रकार की आपातकालीन स्थिति की घोषणा की है।यह जान लीजिये कि यह कोविड-19 वाले 'नोवेल' SARS-CoV-2 वाइरस की तरह कोई नया वायरस नहीं है। यह कम से कम 60 साल पुराना वायरस है, और चीन के अलावा यह पहले और भी देशों में पाया जा चुका है।इस वायरस का अभी तक कोई ऐसा वैरिएंट देखने को नहीं मिला है, जो कोरोना की तरह विस्फोटक अंदाज में फैलता है।भारत में इस नए वायरस का पहला मामला सामने आया बेंगलुरु में एक आठ महीने की बच्ची में। इसके बाद एक 3 महीने की बच्ची में भी HMPV संक्रमण मिला है।दिल्ली, कर्नाटक और कुछ अन्य राज्यों ने वायरस से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए एडवाजरी जारी की है। एडवाइजरी में कुछ सावधानी बरतने की जानकारी दी गई है।भारत के डाइरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेस डॉ. अतुल गोयल ने कहा है कि देश में इसे लेकर किसी गंभीर स्थिति की आशंका नहीं है। यहां पर मेटान्यूमोवायरस एक नॉर्मल रेस्पिरेटरी वायरस है। सर्दियों के मौसम में यह आम सर्दी और फ्लू जैसे लक्षण पैदा करता है, खासकर बच्चों और बजुर्गों में। इससे सावधानी बरतने में कोई नुक्सान नहीं है।

महालक्ष्मी योग में होगा सूर्य का मकर राशि में प्रवेश, जानें क्यों है इस बार मकर संक्रांति पर्व विशेष

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

इस साल मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को विशेष धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन भगवान सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे और खरमास का अंत होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस बार संक्रांति पर महालक्ष्मी योग का निर्माण हो रहा है, जो इस पर्व को और भी खास बना रहा है। महालक्ष्मी योग में सूर्य और चंद्र की युति होती है, जो धन और समृद्धि की देवी महालक्ष्मी से जुड़ी मानी जाती है। इस योग में किया गया दान और पूजा फलदायी होता है। मान्यता है कि इस दिन दान करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है।मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन सूर्य देव की पूजा और दान करने का सबसे शुभ दिन माना जाता है। इस दिन गंगा स्नान का भी विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन स्नान करने से व्यक्ति पापों से मुक्त हो जाता है। मकर संक्रांति नई फसल के आगमन का प्रतीक है। इस दिन किसान अपनी नई फसल का आनंद लेते हैं। मकर संक्रांति के साथ ही खरमास का अंत होता है। खरमास को अशुभ माना जाता है और इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य मंत्र का जाप करने से भगवान सूर्य की कृपा प्राप्त होती है। मकर संक्रांति के दिन दान करने का विशेष महत्व है। इस दिन ऊनी वस्त्र, कंबल, धार्मिक पुस्तकें और अन्न दान करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान व्यक्ति को मोक्ष प्रदान करता है। खरमास के खत्म होने के बाद विवाह के शुभ मुहूर्त भी शुरू हो जाएंगे। 16 जनवरी से विवाह के लिए शुभ मुहूर्त मिलना शुरू हो जाएंगे।

सोशल मीडिया संबंधित प्रतिबंधात्मक आदेश जारी भड़काऊ पोस्ट भेजने पर प्रतिबंध कमेंट फॉरवर्ड भी किया तो होगी कानूनी कार्रवाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

भोपाल शहर के सामुदायिक सद्भाव एवं शांति व्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थितियां निर्मित न हो इसके अलावा धार्मिक भावनाओं को उभारने एवं साम्प्रदायिक वातावरण निर्मित करने का प्रयास भी किया जा सकता है कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे-फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा दरअसलआपत्तिजनक पोस्ट से उतनी वैमनस्यता का संचार नहीं होता है जितना कि उस पर आये कमेंट एवं क्रॉस कमेंट के कारण होता है। इस प्रकार के इंटरनेट सोशल मीडिया वार्स अभी भी सक्रिय हैं जिनसे लोक व्यवस्था एवं सामाजिक शांति भंग हो सकती है। आदेश में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे-फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है उसे प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़कर भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो।यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा और यदि बीच में वापस ना लिया गया तो आगामी दो माह तक लागू रहेगा। इस आदेश अथवा इस आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना यथास्थिति अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

डिक्की के सुझावों को सरकार ने हमेशा गंभीरता से लिया, नई नीति में SC ST उद्यमियों के लिए होंगे विशेष प्रावधानः MSME मंत्री

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लाई जा रही नवीन स्स्स्ध प्रोत्साहन नीति (मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलोपमेन्ट पालिसी) को लेकर बैठक आज मंत्रालय स्स्स्ध मंत्री श्री चैतन्य कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक उद्योग संघों से प्रस्तावित नीति पर सुझाव मांगें गए।

डिक्की एमपी चैप्टर प्रेसिडेंट डॉ अनिल सिरवैया और फूड प्रोसेसिंग वर्टिकल हेड श्री प्रशांत वर्मा बैठक में शामिल हुए।

प्रस्तावित नीति में स्ष्ट स्ज्ञ उद्यमियों और युवाओं के विशेष प्रावधानों को लेकर डिक्की प्रेजिडेंट डॉ अनिल कुमार ने अनेक प्रस्ताव दिए। उन्होंने कहा कि मप्र में 38 प्रतिशत से अधिक आबादी है। इस आबादी की औद्योगिक विकास में सहभागिता के बिना प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि प्रदेश के समावेशी विकास के लिए स्ष्ट - स्ज्ञ युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाओं का प्रावधन प्रस्तावित नीति में किया जाना चाहिए। उन्होंने अनेक सुझाव भी दिए।

वो*स्स्स्ध मंत्री श्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि डिक्की के सुझावों को नीति में शामिल किया जाएगा। सरकार डिक्की के सुझावों को हमेशा गंभीर रही है।

बैठक में विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र सिंह, सचिव प्रियंका दास, उद्योग आयुक्त श्री दिलीप कुमार सहित विभागीय अधिकारी और इंडस्ट्री के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले जी की जन्म जयंती अंबेडकर भवन सिलवानी में मोहन माण्डरे जिला उपाध्यक्ष जी की अध्यक्षता में मनाई गई।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय पत्रकार, 8871370471

सिलवानी। 3 जनवरी 2025 को भारत की पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती पूरे देश में सम्मान के साथ मनाई गई और दलितों की शिक्षा के लिए अपने जीवन को समर्पित किया। उनके द्वारा शुरू किए गए पहले बालिका विद्यालय ने भारतीय समाज में शिक्षा की नई अलख जगाई।

देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों और सभाओं के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सावित्रीबाई फुले का योगदान न केवल शिक्षा बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक समानता के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक है। उनकी जयंती पर लोगों ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से एम एल बघेल साहब ने कहा महिलाओं को शिक्षित करने एवं माता सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर चर्चा हुई एवं नशा मुक्त समाज बनाने की बात हुई समाज को कैसे ऊपर लाया जाए समाज में हो रहे अन्य अत्याचार को कैसे खत्म किया जाए। महिलाओं को शिक्षा की तरफ आगे बढ़ाया जाए एवं बेटा बेटी में फर्क ना करते हुए बेटियों को पढ़ाने की बात हुई एवं बेटियों को आगे लाया जाए ।

मुख्य अतिथि श्री एम एल बघेल साहब, श्री के के अहिरवार साहब, श्री हेमराज चौधरी जी श्री आशीष सोनी श्री राम सेन जी श्री दिनेश कुशवाहा जी ओबीसी महासभा श्री इमरान खान जी श्री रमन बामने जी उदयपुरा श्री घनश्याम सूर्यवंशी जी गैरतगंज श्री रमेश परिहार जी सिलवानी श्री जगदीश जी जिझौतिया जी सिमरिया श्री घनश्याम अहिरवार जी चौधरी श्री रामगोपाल अहिरवार जी,प्रदीप माण्डरे जी मिडिया प्रभारी शालावरू श्री रघुवीर अहिरवार जी हथोड़ा श्री मनोज कुमार ठेकेदार जी मानोप्रसाद जी, जगदीश ठेकेदार जी,बलराम जी कुंडाली धर्मेंद्र अहिरवार भीम आर्मी प्रसादी लाल अहिरवार सियार मऊ श्रीमती भागवती अहिरवार जिला संगठन ग्राम हथोड़ा कुमारी ललिता कुमारी राखी अहिरवार जी कार्यक्रम में उपस्थिति रही एवं कार्यक्रम का संचालन श्री नारायण सिंह अहिरवार जी ने किया।

Aadam Actors Creation. द्वारा कहानी..बड़े भाई साहब.. की सफल प्रस्तुति

Aadam Actors Creation. द्वारा कहानी..बड़े भाई साहब.. की सफल प्रस्तुति शाम 6 बजे 29 /12/2024/ को रोशन पूरा भोपाल में हुई.. जिसके लेखक हैं. मुंशी प्रेमचंद और निर्देशन किया था आदम ने.. कहानी के सूत्र धार और मंच व्यबस्थापक थे फरहान बेग... और अभिनेता थे अरवेंद्र साहू और आदम..... कहानी सार.... मुंशी प्रेमचंद की बहु चर्चित कहानी है बड़े भाई साहब इस कहानी के बाद ही अनेकों लेखकों ने बड़े भाई और छोटे भाई के सम्बन्धो पर अनेको कहानी लिखीँ.. छोटा भाई जिसका मन खेल कूद में ज़्यादा और पढ़ाई में कम लगता है. और बड़ा भाई रात दिन पढ़ाई में लगा रहता है... लेकिन इतना पढ़ाई करने के बाद भी फेल होता है हर साल. इधर खेल कूद के बाद भी छोटा भाई पास होता है... लेकिन बड़ा भाई.. छोटे भाई को पढ़ाई के लिए हर साल डांटता है और वोह हर साल खेलते हुए पास होता है.. इधर रात दिन पड़ने के बाद भी हर साल फेल हो रहा है.. बड़ा भाई... छोटे भाई ने कोशिश कि अब ना खेले लेकिन उसका मन नहीं माना और खेलता भी रहा.. और बड़ा भाई फेल होता रहा.. और अंत में छोटा भाई बड़े भाई के दर्जे में पहुँचने वाला हो जाता है.. दोनों भाई में फिर से प्रेम कि बातें होने लगती हैं.. सम्बन्ध अच्छे हो जाते हैं....

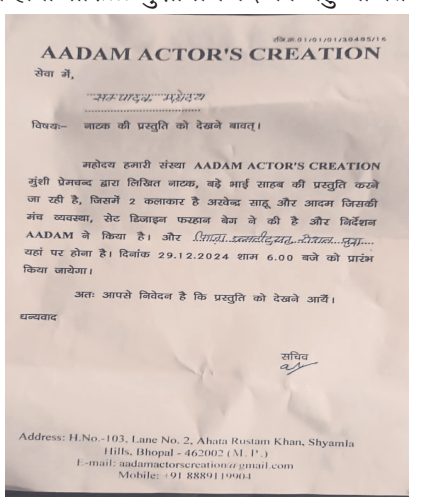

AADAM ACTOR'S CREATION

सेवा में,

विषयः- नाटक की प्रस्तुति को देखने बावत्।

महोदय हमारी संस्था AADAM ACTOR'S CREATION मुंशी प्रेमचन्द द्वारा लिखित नाटक, बड़े भाई साहब की प्रस्तुति करने जा रही है, जिसमें 2 कलाकार है अरवेन्द्र साहू और आदम जिसकी मंच व्यवस्था, सेट डिजाइन फरहान बेग ने की है और निर्देशन AADAM ने किया है। और ... यहां पर होना है। दिनांक 29.12.2024 शाम 6.00 बजे को प्रारंभ किया जायेगा।

अतः आपसे निवेदन है कि प्रस्तुति को देखने आयें।

धन्यवाद

सचिव

Address: H.No.-103, Lane No. 2, Ahata Rustam Khan, Shyamla Hills, Bhopal - 462002 (M.P.)
E-mail: aadamactorscreation@gmail.com
Mobile: +91 8889119904

नया साल नया संकल्प : नशामुक्त हो भारत अपना

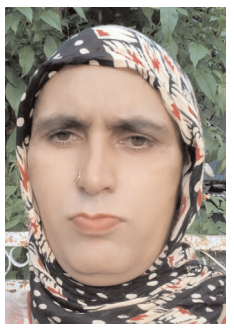

भावना मंगलमुखी
एक ट्रांसजेंडर लेखिका
पाली राजस्थान/
पालघर महाराष्ट्र

साथियों मैं आज आपके समक्ष रख रही हूं, एक ऐसा इंटरव्यू जो हिला सकता है, बहुतों का दिमाग व जला सकता है, दिमाग की बत्ती।
जी हां आज मेरा विषय है -
नशा एक अभिशाप- भ्रांतियां और हकीकत
मित्रों नशा नाश का मूल है और यह किसी भी समाज के नकारात्मक विकास का पैमाना है।
क्योंकि एक बंदर होता है वह भी अपने बच्चों को साथ लेकर घूमता है लेकिन नशेड़ी व्यक्ति को अपनी मां, बहन व बेटी की इज्जत का भी भान नहीं रहता।
मैंने इस संदर्भ में नोटबंदी के तुरंत बाद ही मोदीजी को एक पत्र लिखा था, जिसमें मैंने एक शराबी का इंटरव्यू पेश किया था और लिखा था कि आप भले धरती और आसमान को भी ऊपर नीचे कर दो, लेकिन जब तक संपूर्ण भारत में व्यवहारिक तौर पर नशाबंदी नहीं होगी तब तक देश का भला नहीं हो सकता।
क्योंकि नशा नाश का मूल है व विनाश का कारण भी। और साथ ही प्रत्येक अपराध की जड़ भी।
लेकिन तब मुझे इसका कोई जवाब नहीं मिला था। इसलिए मैं चाहती हूं कि मेरा वह इंटरव्यू आपके साथ भी सांझा करूं।
मैं - भाई शराब क्यों पीते हो?
शराबी = टेंशन आती है इसलिए।
मैं = भाई आपने कभी सोचा है कि आखिर टेंशन आती क्यों है ?
भाई जब कोई समस्या होती है,तभी तो टेंशन आती है। और शराब पीकर आप उस समस्या को थोड़ी देर के लिए भूल जाते हो। नशा उतरने के बाद तो समस्या ज्यों की त्यों होती है। फिर टेंशन आएगी और फिर पीने जाओगे।
इस प्रकार नशा करने से टेंशन कभी खत्म नहीं होगी अपितु जो थोड़ी देर की थी, वह जिंदगी भर की हो जाएगी और जो समस्या आपके अकेले की थी, वह पूरे परिवार की जाएगी।
शराबी = हम तो सिर्फ टाइमपास करते हैं।
मैं = भाई टाइम को पास करने की कोई जरूरत नहीं है। उसे तो आप रोकना चाहोगे तो भी नहीं रोक पाओगे। आप सवेरे उठेंगे ही नहीं और पूरे दिन भर सोए रहेंगे, तब भी सवेरे से शाम हो जाएगी। इसलिए टाइमपास न करके टाइम के साथ चलना सीखो।
शराबी = आखिर एक दिन सबको मरना है।
मैं = भाई ये तो मैं भी जानती हूं कि आखिर एक दिन सबको मरना है, परंतु जब तक जीना है, तब तक शान से जीओ, इज्जत से जीओ, ऊंची गर्दन करके जीओ।
अन्यथा जो दारू पीकर जो नाली में पड़ा है, वह तो मरे हुए से भी बदतर है, क्योंकि कोई कुत्ता भी उसके मूंह में मूतकर जाए तब भी उसको तो लगता है कि वह तो पीया हुआ था फिर भी कोई और पिलाकर गया।
और मैं तो बोलती हूं मरने का इतना शौक है तो एकदम से ट्रेन के नीचे आकर मर जाओ। जिससे सड़ - सड़कर नहीं मरना पड़ेगा। पैसा भी बर्बाद नहीं होगा, उस बचे हुए पैसों से परिवार का पालन - पोषण भी हो जाएगा और आपकी पत्नी भी जवान होगी तो दूसरा घर कर लेगी।
शराबी = हम तो पीते हैं लेकिन लिमिट में पीते हैं, पागल नहीं होते हैं।
मैं = भाई जो गाड़ी अच्छे से चलाना नहीं जानता है, वह धीरे-धीरे चलाता है परन्तु सीखने के पश्चात वह अधिकतम स्पीड से चलाता है और एक दिन अवश्य खड्डे में गिरकर दुर्घटना का शिकार होता है।
और जो लोग पीकर पागल होते हैं, उनका तो मुझे कारण भी समझ में आता है कि वे पागल होने के लिए ही पीते हैं, लेकिन जिसको पागल नहीं होना है, फिर भी वह पीता है तो उससे मूर्ख कोई है नहीं, क्योंकि वह सिर्फ पैसा बिगाड़ रहा है।
शराबी = हमारे तो बुजुर्ग भी पीते आए हैं।
मैं = भाई आपके बुजुर्ग अनपढ़ थे, इसलिए अनजाने में सीखें थे और आप पढ़-लिखकर भी यही कर रहे तो आप अनपढ़ ही अच्छे थे। मां-बाप का पैसा क्यों बिगाड़ा।
और आपको भी अपने बुजुर्गों जैसा ही बनना है तो वे तो धोती पहनते थे, फिर आप पेंट पहनने क्यों लग गए और अपने बच्चों को अंग्रेजी क्यों पढ़ा रहे ?
शराबी = हमारी देवी को धार लगानी पड़ती है।
मैं = भाई मूर्ति तो बोलती नहीं है, इसलिए जो भोपे और पुजारी नहीं खाते-पीते थे, उन्होंने बोल दिया कि हमारे भगवान को कुछ नहीं चलता है।
और जो लोग खुद खाने-पीने वाले थे, उन्होंने मूर्तियों को भी खाना पीना सीखा दिया।
शराबी = ज्यादा पैसा है, क्या करें ?
मैं = अरे भाई मैं आपको कंजूसी करने का नहीं बोल रही हूं। आप घी खाओ, दूध खाओ। मेवा और मिठाई खाओ लेकिन आदत लगाने वाला और स्वास्थ्य बिगाड़ने वाला कुछ मत खाओ।
*मान लो जो व्यक्ति एक दिन में दो गुटखा का एक पुड़ी खाता है
दो सिगरेट पीता है, वह पूरे दिन में मात्र 10 रूपये बिगाड़ता है,*
महिने में 300 रूपये बिगाड़ता है।
साल में 3600 रूपये बिगाड़ता है।
दस साल में 36000 रूपये बिगाड़ता है।
इस प्रकार वह अपनी जिंदगी में लाखों रूपये बिगाड़ता है।
और ये तो मैंने सिर्फ प्रतिदिन 10 रूपये का ही हिसाब बताया है, अब जो लोग रोज का सौ - दो सौ रूपये नशे पर बर्बाद करते हैं, वे अपना हिसाब खुद लगाए।
अब ऐसे लोग अमूमन अपनी बेटियों की शादी के वक्त लोगों के सामने हाथ फैलाते नजर आते हैं।
मेरा उन लोगों से कहना है कि वह पैसा मान लो -
आप किसी अनाथ को भोजन कराने,
शिक्षा दिलाने के लिए खर्च करते,
किसी जरूरतमंद का ईलाज करा देते,
कहीं सार्वजनिक स्थान पर एक प्याऊ बना देते या एक बैठने का बैंच भी लगवा देते।
तो क्या आपके मां - बाप का नाम खराब हो जाता क्या ?
शराबी = कलियुग है, जमाना खराब है।
मैं = भाई जमाना तो काफी अच्छा है। पहले तो स्कूल, अस्पताल, गाडियां, टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर इत्यादि कुछ नहीं थे। इन सबके बिना आप सिर्फ एक साल जी कर बता दो।
लेकिन जो दारू-सिगरेट नहीं पीते थे और गुटखा नहीं खाते थे, वे सौ साल जीते थे लेकिन आजकल के लोग जो पानी भले बिसलेरी का पीते हैं लेकिन दारू-सिगरेट पीते हैं व गुटखा खाते हैं, वे इतना जीने की उम्मीद भी नहीं करते और साठ साल में ही टांगें ऊपर कर देते हैं।
शराबी- आखिर सरकार बनाती क्यों है और फैक्ट्री बंद क्यों नहीं करती ?
मैं = भाई सरकार तो होशियार है। वह तो जहर बेचकर भी पैसा कमा रही है। पागल तो पीने वाले हैं, जो पैसा देकर जहर खरीद रहे हैं।
फैक्ट्री वाले भी इसलिए ही बनाते क्योंकि लोग पी रहे हैं। यदि लोग पीना छोड़ देंगे तो फैक्ट्री वाले क्या नदी में डालेंगे या उसका अचार बनायेंगे क्या ?
शराबी = फिर उस ठेके वाले के बच्चों का क्या होगा ?
मैं = भाई तू उसके बच्चों का मत सोच और तेरे बच्चों का सोच। सभी अपने-अपने बच्चों के बारे में सोच लेंगे तो किसी को भी दूसरे के बच्चों के बारे में सोचने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी।
और जरूरी थोड़ी कि वह वही व्यवसाय करें।
भाई किसी की कटलेरी की दुकान नहीं चली तो किराणा की दुकान करता है या मिठाई की दुकान नहीं चली तो मेडिकल की दुकान करता है तो फिर ठेके वाले का क्या उसी का ही ठेका ले रखा है क्या ?
शराबी = अमुक नेता भी पीता है।
मैं = भाई वह पीएगा तो उसका तन, मन, धन बिगड़ेगा और आप पीएंगे तो आपका।*अब आपका फैसला आपको करना है।
शराबी = सरकार को आय कैसे होंगी ?
मैं = भाई सरकार की आंखें भी अभी तक गर्दन के पीछे है। वह भी सोचती है कि इससे उसको आय होती है।
लेकिन शराब पीने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को पहुंचाया गए नुकसान का अगर आंकलन किया जाए तो वह उसके मुनाफे से कई गुना ज्यादा होता है।
शराब पीकर जो लोग लड़ाई - झगड़ा, मारपीट - हत्या ,उत्पीड़न इत्यादि जो करते हैं, वह नुकसान इसके मुनाफे से भी ज्यादा है।
सरकार विभिन्न प्रकार के नशों से होने वाली गंभीर बीमारियों का फ्री ईलाज करवाती है या निशुल्क दवाइयां देती है। नशामुक्ति के माध्यम से उसे भी बचाया जा सकता है।
जो युवा दारू पीकर 20-30 साल? की आयु में ही दुर्घटना का शिकार हो जाता है, वह अपने परिवार, समाज व? राष्ट्र का विकास कैसे कर सकता है ?
शराबी = लेकिन मेरी तो आदत पड़ गई है।
मैं = भाई ये आदत क्या जन्म से थी क्या ?
यह आदत आपने लगाई है तो सुधारनी भी आपको ही पड़ेगी।
जो व्यक्ति अपनी गलत आदत में आवश्यकतानुसार सुधार नहीं कर सकता, वह बिना सींग - पूंछ वाला पशु है।
अंत में मेरी सभी महिलाओं से करबद्ध विनती है कि आप नशेड़ी पुरूषों का साथ तुरंत छोड़ दें और कोई दूसरा नशामुक्त साथी ढूंढ ले।
मैं जानती हूं एक बार आपको अवश्य परेशानी होगी लेकिन आजीवन शांति व शुकून मिलेगा।
विशेष नोट = मोबाइल, प्यार या पैसे के पीछे अपना होश खोकर पागल हो जाना भी एक प्रकार का नशा ही है।
प्रत्येक वह क्रियाकलाप नशा है जिसकी हमें बार-बार तलब लगती है, आदी बनाती है, उसका गुलाम बनाती है।
कुदरत में सिर्फ एक ही नशा फायदे का है, वह है सिर्फ भक्ति या परोपकार का नशा। यहां भक्ति का अभिप्राय भी पाखंड से नहीं अपितु सिर्फ़ सेवाभाव से ही है।

सड़क हादसे मे दो युवक घायल

ज्ञान चन्द शर्मा/बालाघाट नवेगांव ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत समनापुर रोड पर विश्राम पुर के पास एक मोटर साईकिल साईकिल को टक्कर मारकर अनियंत्रित हो गई इस हादसे मे मोटरसाइकिल सवार संजय पिता पंचम मेश्राम 27 वर्ष ग्राम खरपडिया थाना परसवाडा और साईकिल सवार राकेश पिता मोहपत डोगरे 22 वर्ष ग्राम आमगाव निवासी घायल हो गए दोनो घायलो को जिला अस्पताल मे भती किया है जानकारी के अनुसार संजय मेश्राम मोटरसाइकिल मे बालाघाट से परसवाडा जा रहा था और समनापुर रोड विश्राम पुर के पास राकेश डोगरे साईकिल मे विश्रामपुर से अपने घर आमगाव जा रहा था तभी संजय मेश्राम की मोटरसाइकिल राकेश डोगरे की साईकिल से टकराकर अनियंत्रित हो गई जिससे संजय मेश्राम और राकेश डोगरे दोनो घायल हो गए जिनका उपचार किया जा रहा है

सीईओ ने डी एम एफ के कार्यो की नब्ज टटोली

ज्ञान चन्द शर्मा/बालाघाट जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने बिरसा विकासखंड के अतिसंवेदनशील ग्रामो के निरीक्षण किया इस दौरान उन्होने ग्राम पंचायत मछुरदा की बसाहट कोरका के जंगल मे निमित लघु तालाब एव डी एम एफ से निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्ष का निरीक्षण किया जिसमे उन्होंने दोनो ही कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान एससीए योजना से पुलिस चौकी कोरका मे कार्य पूर्ण पाया गया उपस्थित सरपंच एव ग्रामवासियो द्वारा बताया गया कि कोरका के करीब 150 घरो तक बिजली नही पहुंच पा रही है वही कुछ स्थानो पर विधुत के पोल खड़े पाए गए ग्राम पंचायत सालेटेकरी मे 15 वे वित से नवनिर्मित सीसी सड़क के निरीक्षण पर सीईओ सराफ ने प्रसार जोड को ठीक करने के निर्देश दिए इस दौरान ग्राम पंचायत कैडाटोला और भीमजोरी मे डी एम एफ से स्वीकृत कार्यो का भी निरीक्षण किया गया कैडाटोला के अलीन टोला मार्ग मे निमित पुलिया का एप्रोच ठीक करने एव भीम जोरी का सामुदायिक प्रशिक्षण जल्दी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए एव तकनीकी मार्गदशन भी दिया गया निरीक्षण के दौरान सर्व शिक्षा के सहायक यंत्री भास्कर शिव जनपद ससीईओ रितेश चौहान एव संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव तथा जनपद का तकनीकी अमला उपस्थित रहा।

योद्धा बन के तने ल परही

सतनामी गौरव बचाना हे तब,
सरहा -जोधाई बने ल परही।
अपन सुवारथ म कब तक जीहू,
योद्धा बन के तने ल परही।।

राजा गुरु बालकदास जी के,
एक बुलावा मा कतको आइन।
मान गुरु के राखे खातिर,
अपन परान ला हँस के लुटाइन।
आज हमु ला उसी किसम के ,
पीढ़ी नवा जने ल परही।।
अपन सुवारथ----

सतनाम पुनर्जागरण के अब,
भारी आंदोलन चलाना हे।
राजा गुरु बालकदास जी के,
सपना के राज फेर लाना हे।
स्वाभिमान हमर लहुटाना हे तब,
जुर-मिलके कुछ गुने ल परही।।
अपन सुवारथ---

हर मनखे के बड़का दुश्मन,
ऊंच-नीच अउ जातिवाद हे।
भेदभाव अउ छुआछूत के,
जहर मा समाज हा बरबाद हे।
ये बुराई ल ला पाटे खातिर,
गड्ढा गहरी खने ल परही।।
अपन सुवारथ----

सबके एके जनम-मरन हे,
सबके एके धरम-करम हे।
ऊंच-नीच अउ जात-पात हा,
दुस्मन मन के बगराए भरम हे।
नवा समाज ला गढ़ना हे तब,
माटी मा माटी सने ल परही।।
अपन सुवारथ----

जेकर मन के संख्या पंदरा,
पच्यासी मन ला लूटत हे।
बाहिर ले ओमन आए हे,
अउ घर मालिक ला पीटत हे।
हिम्मत करके तेंदू सार म,
बिदेसी मन ल हने ल परही।।
अपन सुवारथ----

हरीश पांडल
विचार क्रांति

अन्न का उत्पादन और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए जैविक खेती आवश्यकः मंत्री श्री पटेल

जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर क्षेत्रीय संगोष्ठी में की सहभागिता

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती भारत की मूल कृषि पद्धतियां हैं, जिन्हें लंबे समय से पुनः स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। गुरुवार को जबलपुर में ÷जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर क्षेत्रीय संगोष्ठी÷ को संबोधित कर रहे थे। क्षेत्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को बचाने के लिए श्री अन्न की तरफ बढ़ने की बात कही है। श्री अन्न सभी उच्च कोटि के अनाज में शामिल है। मंत्री श्री पटेल श्री अन्न के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एक किलोग्राम मोटे अनाज के उत्पादन के लिए सिर्फ एक लीटर पानी की आवश्यकता होती है जबकि एक किलोग्राम गेंहू और धान क्रमशः 28 और 37 लीटर पानी की खपत के बाद उत्पादित किया जाता है। मंत्री श्री पटेल ने देश की बढ़ती आबादी के बीच श्री अन्न के उत्पादन और उसकी गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए जैविक खेती को आवश्यक बताया। मंत्री श्री पटेल ने अपने गौरक्षा के संकल्प को भी याद किया। उन्होंने कहा भूमि की घटती हुई उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए देशी गाय के गोबर से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। मंत्री श्री पटेल ने प्रमाणीकरण के विभिन्न स्तरों को भरोसे का संकट बताते हुए कहा कि निर्यात के लिए बाहरी देशों के मानकों की स्वीकार्यता हो सकती है पर देश में किसानों की ईमानदारी और उनकी तपस्या से परे किसी प्रमाणीकरण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। किसानों के विश्वास से की गई खेती ही इस संकट का समाधान है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पशुधन के बिना जैविक और प्राकृतिक खेती करना असंभव है। मंत्री श्री पटेल ने तुलनात्मक व्याख्या कर गाय के गोबर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने गौवंश को आर्थिक लाभ से परे परिवार की सुख और शांति के लिए लाभकारी बताया। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती की चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला एवं विस्तृत जानकारी दी।

बुलवायो टेस्ट: अफगानिस्तान 205 रन से आगे

रहमत शाह ने शतक लगाया, इस्मात आलम की फिफ्टी; मुजरबानी को 4 विकेट

बुलवायो (एजेंसी)। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच बुलवायो में टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेला जा रहा है। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन अफगानिस्तान ने दूसरी पारी में 205 रन की बढ़त बना ली है। टीम ने स्टंप्स तक 7 विकेट पर 291 रन बना लिए।

अफगानिस्तान के लिए दूसरी पारी में रहमत शाह ने सेंचुरी लगाई। वहीं इस्मात आलम फिफ्टी बनाकर नॉटआउट रहे। जिम्बाब्वे से ब्लेसिंग मुजरबानी 4 विकेट ले चुके हैं। बुलवायो में ही पहला टेस्ट 5 दिन चलने के बाद भी ड्रॉ हो गया था।

पहली पारी में 157 रन ही बना सका अफगानिस्तान – गुरुवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। अफगानिस्तान टीम पहली पारी में 157 रन ही बना सकी। राशिद खान ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। 7 अन्य बैटर्स ने 10 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका।

अफगानिस्तान से जिया-उर-रहमान 8 और अहमदजई 2 ही रन बना सके। इस्मात आलम तो खाता भी नहीं खोल सके। जिम्बाब्वे से पहली पारी में सिकंदर रजा

और न्यूमैन न्याम्हुरी ने 3-3 विकेट लिए। ब्लेसिंग मुजरबानी को 2 और रिचर्ड नगारावा को 1 विकेट मिला।

जिम्बाब्वे की खराब शुरुआत– पहली पारी में जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 41 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। जॉयलॉर्ड गुम्बी 8, बेन करन 15 और डायन मायर्स 5 ही रन बना सके। टी कायतानो खाता भी नहीं खोल सके। सिकंदर रजा ने फिर कप्तान क्रैग इरविन के साथ पारी संभाली। दोनों ने फिफ्टी लगाई और स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। रजा 61 रन बनाकर आउट हुए।

विलियम्स-इरविन ने दिलाई बढ़त – रजा के आउट होने के बाद जिम्बाब्वे ने 147 रन तक 7 विकेट गंवा दिए।

ढाई दिन में सिडनी टेस्ट हारा भारत

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया, 10 साल बाद बीजीटी गंवाई

● डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर ● स्कॉट बोलैंड प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट से हार गई है। इस हार के साथ भारतीय टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 की पराजय झेलनी पड़ी है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इस सीरीज में 10 साल के बाद हराया है। इससे पहले कंगारु टीम ने 2014-15 के सीजन में एमएस धोनी की कप्तानी वाली टीम इंडिया से सीरीज जीती थी।

रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का टारगेट दिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रैविस हेड 34 और ब्यू वेबस्टर 39 रन पर नाबाद रहे। इन दोनों के अलावा, उस्मान ख्वाजा ने 41 और सैम कोंस्टास ने 22 रन बनाए। भारत से प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट झटके। दिन के पहले सेशन में भारतीय टीम दूसरी पारी में 157 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 181 रन पर ऑलआउट हुई, जबकि भारत

ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। इस तरह भारत को पहली पारी में 4 रन की बढ़त मिली थी।

भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर, ऑस्ट्रेलिया लगातार दूसरी बार फाइनल में – इस हार के बाद भारतीय टीम (50.00 प्रतिशत) वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में फाइनल की रेस से बाहर हो गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया (63.73प्रतिशत) ने लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश कर गई है।

गेंदबाजों को ज्यादा जिम्मेदारी लेनी थी: कप्तान जसप्रीत बुमराह –यहां गेंदबाजी ना कर पाना निराशाजनक है। एक बॉलर कम था। गेंदबाजों को ज्यादा जिम्मेदारी लेनी थी। ऐसा नहीं हुआ कि हम एकतरफा मैच हारे। हमारे पास सीखने के लिए काफी कुछ है। टेस्ट क्रिकेट में आपको परिस्थिति के हिसाब से खेलना होता है। हमारे ग्रुप में काफी टैलेंट है और युवा खिलाड़ी जोश से भरे हैं। युवाओं ने इस दौरे से बहुत कुछ सीखा है। ऑस्ट्रेलिया को बधाई। वे इस जीत के हकदार हैं।

यह काफी अच्छी सीरीज थी: ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस – यह काफी अच्छी सीरीज थी। हमारी कोशिश थी कि हम भारत को कम से कम स्कोर पर रोकें, क्योंकि विकेट काफी ट्रिकी थी। इन खिलाड़ियों के साथ खेल कर मजा आया। जीत का श्रेय सबको जाता है, क्योंकि यह सभी की मेहनत का परिणाम है। 5 टेस्ट मैच की सीरीज़ में तीन खिलाड़ियों को डेब्यू का मौका मिला, कुल मिलाकर इस सीरीज का अनुभव बेहद अच्छा रहा। यहां खेलना हमेशा खास रहा है। यह एक ख़ास दिन है। यहां खेलना सुखद है।

सिडनी टेस्ट के लिए दोनों टीमें

भारत – जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया – पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

वेबस्टर के चौके से ऑस्ट्रेलिया जीता – ब्यू वेबस्टर ने 27वां ओवर डाल रहे वॉशिंगटन सुंदर की आखिरी बॉल पर चौका जमाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी है। कंगारू टीम ने 6 विकेट से यह मुकाबला जीत लिया है। टीम ने 5 मैचों की सीरीज 3-1 से अपने नाम की।

इरफान बोले- भारत को सुपरस्टार कल्चर नहीं चाहिए

ध्यान व्यक्तियों के बजाय टीम पर होना चाहिए

गावस्कर ने कहा- हमें क्रिकेट नहीं आता

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि भारत को सुपरस्टार कल्चर नहीं चाहिए। हमें टीम कल्चर की जरुरत है। प्लेयर्स का ध्यान व्यक्तियों के बजाय टीम पर होना चाहिए। वहीं सुनील गावस्कर ने उनकी सलाह न मानने पर कहा, हमें क्रिकेट नहीं आता है। रविवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हार के बाद, पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और सुनील गावस्कर ने पोस्ट मैच के समय विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ी की आलोचना की। सिडनी टेस्ट में 6 विकेट की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज 3-1 से जीती और 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

विराट ने डोमेस्टिक क्रिकेट एक दशक पहले खेला – इरफान ने मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे आप बताइए आखिरी बार विराट कोहली डोमेस्टिक क्रिकेट कब खेले थे। तो इस पर एंकर जतिन सप्रू ने कहा, 2012 में। इरफान ने कहा- घरेलू क्रिकेट खेले उन्हें एक दशक से भी ज्यादा का समय हो गया है। महान सचिन तेंदुलकर भी इतने समय तक डोमेस्टिक क्रिकेट से दूर नहीं थे। विराट जीटीवी 2024-25 सीरीज की 9 पारियों में 8 बार ऑफ स्टंप के बाहर की बॉल पर आउट हुए हैं।

सचिन ने घरेलू क्रिकेट तब भी

खेला जब इसकी जरूरत नहीं थी – इरफान बोले, सचिन तेंदुलकर तब भी डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते थे जब उन्हें इसकी जरूरत नहीं होती थी। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि चार दिन तक पिच पर टिके रहना और फिर दूसरी पारी में खेलने के लिए वापस आना उनके लिए अहम था। 2024 में कोहली का पहली पारी में औसत सिर्फ 15 का है और यदि आप पिछले पांच साल का आंकड़ा ले, तो उनका औसत 30 से भी नीचे चला जाता है। क्या भारत का एक सीनियर खिलाड़ी इसका हकदार है? बेहतर होगा कि किसी युवा को लगातार मौके दिए जाएं और उसे तैयारी करने के लिए कहा जाए। यहां तक ??कि उनका औसत भी 25-30 के आसपास होगा। ध्यान टीम पर होना चाहिए, व्यक्तियों पर नहीं।

हमें कुछ नहीं आता- गावस्कर – सिडनी टेस्ट शुरू होने से पहले पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया मैनेजमेंट को प्रैक्टिस मैच कराने की सलाह दी थी। लेकिन उन्होंने इसको नजरअंदाज कर दिया था। भारत के यह मैच हार जाने के बाद उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स के पोस्ट मैच शो में कहा, अरे हमको कुछ नहीं आता। हमें क्रिकेट नहीं पता है, हम तो बस टीवी पर बोलने के लिए हैं। हमारी बात मत सुनिए। उसे सिर के ऊपर से जाने दीजिए।

कोहली का डिसरिस्पेक्ट नहीं कर रहे – 40 वर्षीय पेसर इरफान ने कहा, हम विराट कोहली की डिसरिस्पेक्ट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने देश के लिए बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन मुद्दा यह है कि वह एक ही गलती के कारण बार-बार आउट हो रहे हैं। एक तकनीकी खामी है, जिसको उन्होंने अब तक नहीं सुधारा है। सुनील गावस्कर यहां मैदान पर हैं, कोहली को उनसे या किसी अन्य महान खिलाड़ी से बात करने और इस बारे में पूछने में कितना समय लगेगा? गलती को केवल कड़ी मेहनत से ही सुधारा जा सकता है, जो कोहली ने नहीं दिखाया है।

गंभीर बोले- रोहित-कोहली तय करें क्रिकेट के लिए क्या बेहतर

कोच ने टीम के हर खिलाड़ी को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने रविवार को रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर बात की है। उन्होंने सिडनी टेस्ट में 6 विकेट से हारने के बाद कहा- मैं किसी भी खिलाड़ी के भविष्य पर टिप्पणी नहीं कर सकता हूं। यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है, उनमें (रोहित-कोहली) भूख और कमिटमेंट्स हैं। उम्मीद है कि वे भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उनसे रोहित-कोहली के भविष्य पर सवाल पूछा गया था।

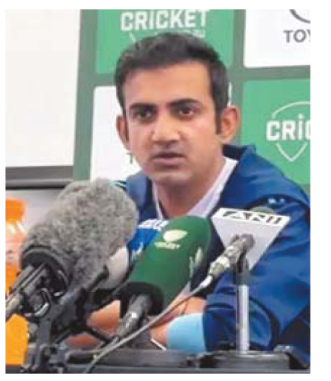

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली का प्रदर्शन खराब रहा। ऐसे में इन दोनों के भविष्य पर सवाल उठा रहे हैं। एक दिन पहले रोहित शर्मा ने स्टार स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वे खेलना चाहते हैं और अभी रिटायरमेंट नहीं ले रहे। रोहित को खराब फार्म के कारण सिडनी टेस्ट से ड्रॉप किया गया था।

गंभीर यह बोले..

1. हार पर...अगर दूसरी पारी में 250-275 बनाते तो चीजें अलग होतीं –सिडनी टेस्ट में मिली हार पर गंभीर ने कहा- %मैं यह नहीं कहना चाहता कि बुमराह के न होने से हम नतीजे तक नहीं पहुंच सके। हमारे पास अपने कई पल थे, अगर बुमराह होते तो अच्छा होता। एक अच्छी टीम जीती है। जो केवल एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। अगर हम दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी करते और 250-275 रनों का लक्ष्य रखते, तो ऑस्ट्रेलिया के लिए चीजें मुश्किल हो सकती थीं। मोहम्मद सिराज की बॉडी लैंग्वेज शानदार थी।

2. ड्रेसिंग रूम के माहौल पर...मुझे सभी के लिए निष्पक्ष होना होगा – ड्रेसिंग रूम को प्रसन्न रखने के लिए मुझे ईमानदार और सभी के प्रति निष्पक्ष होना होगा। मैं अगर एक दो खिलाड़ियों के साथ पारदर्शी हूं। तो ये मेरा काम नहीं। मेरा काम है कि सबके साथ एक समान रहूं। चाहे वह डेब्यू करने वाला खिलाड़ी हो या 100 टेस्ट खेलने वाला खिलाड़ी हो।

3. रोहित-कोहली की फॉर्म पर...सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें –रोहित-कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों की फॉर्म पर गंभीर ने साफ तौर पर कहा कि वे चाहेंगे कि टेस्ट क्रिकेट को लेकर अगर कमिटेड हैं, तो सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें। उनका इशारा शायद सीनियर खिलाड़ियों की ओर था जो रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं।

4. रोहित के फैसले पर...जवाबदेही दिखाई है – गंभीर ने रोहित के खुद को ड्रॉप करने के फैसले पर कहा कि रोहित ने टॉप लेवल पर जवाबदेही दिखाई है। उन्होंने ट्रांजिसन के सवाल पर कहा- इसके बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी। पता नहीं 5 महीने बाद हम कहां होंगे।

भारतीय सेना ने बदली नीति, अब मेरिट के आधार पर मिलेगा प्रमोशन; कब से और किन पदों पर होगी लागू

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने अपने अधिकारियों के लिए प्रमोशन की व्यवस्था में कुछ बदलाव किए हैं। अब सभी लेफ्टिनेंट जनरलों की उनके प्रदर्शन के आधार पर ही मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। यह नई प्रणाली 31 मार्च से लागू होगी और इसका उद्देश्य मेरिट के आधार पर चयन को बढ़ावा देना है। यह नई व्यवस्था भारतीय सेना को एकीकृत थिएटर कमांड्स में सेवा देने वाले लेफ्टिनेंट जनरलों के चयन में मदद करेगा। यह नई नीति लेफ्टिनेंट जनरलों के लिए संशोधित वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (छ्रक्र) फॉर्म के तहत लागू की जाएगी। यह नई नीति सेना के 6 ऑपरेशनल कमांड्स और एक ट्रेनिंग कमांड के वाइस चीफ और कमांडर इन चीफ पर लागू नहीं होगी। आपको बता दें ऐसे आठ अधिकारी हैं जो लेफ्टिनेंट जनरल हैं, लेकिन वे अन्य थ्री-स्टार जनरलों से एक पायदान ऊपर हैं। भारतीय सेना में लगभग 11 लाख सैनिक हैं। सेना में 90 से अधिक लेफ्टिनेंट जनरल, 300 मेजर जनरल और 1,200 ब्रिगेडियर हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों ने के हवाले से बताया कि नई नीति भारतीय सेना को भारतीय वायुसेना (द्बन्न) और भारतीय नौसेना से मेल खाने के लिए तैयार करेगी। सूत्र का कहना है, अब तक लेफ्टिनेंट जनरलों के लिए कोई छ्रक्र प्रणाली नहीं थी। अब उन्हें विभिन्न गुणों के आधार पर 1 से 9 तक के पैमाने पर रेटिंग दी जाएगी। उनका प्रमोशन सिर्फ वरिष्ठता पर निर्भर नहीं होगी, बल्कि प्रदर्शन के आधार पर होगी। थिएटर कमांड्स के निर्माण के कारण सेना के शीर्ष पदों पर सभी तीनों सेवाओं के लिए एक समान मूल्यांकन प्रणाली की आवश्यकता थी।

सेना मुख्यालय के पत्र में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह नीति वाइस चीफ और सेना के सात कमांडर-इन-चीफ के चयन पर भी लागू होगी या नहीं। मौजूदा सेना नीति के अनुसार, कमांडर-इन-चीफ के पद पर प्रमोशन पूरी तरह से वरिष्ठता पर निर्भर करती है। इसमें जन्म तिथि और उपलब्ध पदों का भी ध्यान रखा जाता है। एक लेफ्टिनेंट जनरल जिसने सेना के 14 कोर में से एक का नेतृत्व किया हो, उसकी सेवा कम से कम 18 महीने बची हो, ताकि उसे कमांडर-इन-चीफ के रूप में प्रमोट किया जा सके।

नई नीति को लेकर कुछ अधिकारियों द्वारा विरोध भी व्यक्त किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बहुत कम अधिकारी सेना की कड़ी संरचना में प्रत्येक चरण में मेरिट के आधार पर तय होते हैं और थ्री स्टार जनरल बनते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल के पद के बाद कमांडर-इन-चीफ पद पर प्रमोशन वरिष्ठता पर निर्भर थी। इस स्तर पर मेरिट को शामिल करने से हस्तक्षेप की संभावना बढ़ सकती है, चाहे वह राजनीतिक हो या कुछ और। आपको बताते चलें कि यह नीति ऐसे समय में लागू की जा रही है जब भारत ने चीन, पाकिस्तान और भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए तीन थिएटर कमांड्स के लिए ब्लूप्रिंट को अंतिम रूप दिया है।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे बनकर तैयार, अब 8 घंटे में तय हो जाएगी दूरी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से यात्रियों को बड़ी खुशखबरी दी गई है। 701 किलोमीटर लंबे मुंबई से नागपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हो गया है। माना जा रहा है कि इसका उद्घाटन अगले महीने फरवरी में होगा। इस एक्सप्रेसवे को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग नाम दिया गया है। नागपुर से नासिक के इगतपुरी के बीच की दूरी 625 किलोमीटर है जहां एक्सप्रेसवे पहले से ही चालू है। अब एक बार उद्घाटन होने के बाद इससे होकर मुंबई से नागपुर की यात्रा काफी सुलभ हो जाएगा। दोनों शहरों के यात्रा का समय 16 घंटे से घटाकर 8 घंटे रह जाएगा। मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे को दिसंबर 2022 और मार्च 2023 में आंशिक रूप से दो बार खोला जा चुका है। अब अंतिम खंड का निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है और इसका उद्घाटन अगले महीने फरवरी होने की संभावना है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से इस प्रोजेक्ट के लिए अनिल कुमार बलिराम गायकवाड को चीफ इंजीनियर के तौर पर चुना था। अगर गायकवाड की बात करें बताते है कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट रही है। इसके चालू हो जाने से महाराष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में बड़ा बदलाव आ सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में सिर्फ भ्रष्टाचार किया : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में पिछले दस वर्षों में सिर्फ भ्रष्टाचार किया है, जबकि केंद्र सरकार ने दिल्ली को विकास के नए मानक दिए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली के गरीबों और आम नागरिकों को झूठे वादों के अलावा कुछ नहीं दिया।

सचदेवा ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि जहां एक ओर केंद्र सरकार ने दिल्ली को यशोभूमि, भारत मंडपम, ईको पार्क, बांसेरा पार्क, प्रगति मैदान टनल, रिंग रोड-3, ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर, दिल्ली-मेरठ हाईवे, अलीपुर बाईपास जैसे अनेक अनेक विकास कार्य दिए हैं, वहीं केजरीवाल ने दिल्ली को सिर्फ घोटाले ही दिए हैं। केंद्र सरकार ने दिल्ली में लगभग पांच हजार से अधिक झुग्गीवासियों को बेहतर आवास प्रदान किए हैं, जबकि केजरीवाल ने दिल्ली के गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से वंचित किया। केजरीवाल ने दिल्ली को शराब घोटाला, जासूसी घोटाला, पैनिक बटन घोटाला, राशन कार्ड घोटाला, अस्पताल निर्माण घोटाला, मोहल्ला क्लिनिक और दवा-जांच घोटाला जैसे घोटाले दिए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल के भ्रष्टाचार की एक लंबी सूची है, जो खत्म नहीं होती।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दिल्ली के शिक्षा क्षेत्र में केजरीवाल के दावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल शिक्षा की बात करते हैं, लेकिन उनके दस साल के कार्यकाल में दिल्ली में एक भी नया स्कूल या कॉलेज नहीं खोला गया। वहीं, केंद्र सरकार ने दिल्ली में सात नए केंद्रीय विद्यालय खोले, दिल्ली विश्वविद्यालय का पूर्वी दिल्ली परिसर स्थापित किया और दो नए कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों का शिलान्यास किया। उन्होंने सवाल किया कि केजरीवाल द्वारा घोषित खेल विश्वविद्यालय और सैनिक प्रशिक्षण स्कूल आखिर क्यों भ्रष्टाचार के फाइलों में फंस कर रह गए।

कांग्रेस ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के नाम पर विश्वविद्यालय बनाने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके आवास पर शुक्रवार को अखंड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, और डॉ. सिंह के परिवार के सदस्य सहित कई प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ किया गया। कार्यक्रम में शामिल होने आई कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने उन्हें सादगी का प्रतीक बताया तो पंजाब कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर अमृतसर में एक विश्वविद्यालय और एक मेमोरियल बनाने की मांग की। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन संघर्षों और सादगी से भरा रहा है। उनका जीवन शालीनता, सादगी और उच्च जीवन की मिसाल है। उसी तरह से उनकी अंतिम विदाई भी हुई। जिस कुशलता ने उन्होंने देश की कमान संभाली, मुश्किल समय में देश की अर्थव्यवस्था संभाली। मुझे लगता है उनका जीवन बहुत से लोगों के लिए बड़ा पाठ है। राजनीतिक जीवन में शुचिता और गरिमा कैसी रहनी चाहिए।

अयोध्या की तरह प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों पर तैनात होंगे कई भाषाओं के जानकार अफसर

प्रयागराज, एजेंसी। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान तैनात किए गए कई भाषाओं के जानकार अफसरों की ड्यूटी प्रयागराज के महाकुंभ मेले में भी लगाई गई है। यह अफसर देश भर के रेलवे स्टेशनों और कार्यालयों से महाकुंभ मेले में ड्यूटी करेंगे। ताकि महाकुंभ मेले में विभिन्न राज्यों के अलावा दक्षिण के राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में आसानी हो। स्टेशनों पर द्विभाषी अफसर तैनात होंगे और ट्रेनों के आवागमन की सूचनाएं भी अलग-अलग भाषाओं में दी जाएगी।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की ओर से प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, संगम आदि स्टेशनों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इनमें हिंदी सहित तमिल, तेलगु, मलयालम, कन्नड, गुजराती, उड़िया, कोंकणी, बंगाली आदि भाषाओं के प्रीरिकॉर्डेड मैसेज रहेंगे।

प्रयाग स्टेशन पर ठहरेंगी मुंबई और बिहार रूट की ट्रेनें : प्रयागराज महाकुंभ मेले को देखते हुए रेलवे ने कई ट्रेनों का ठहराव प्रयाग स्टेशन पर भी कर दिया है। इसमें लखनऊ होकर चलने वाली ट्रेन नंबर 22549/22550 गोरखपुर-प्रयागराज वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है। इसके अलावा 20941 बांद्रा टर्मिनस-गाजीपुर सिटी, 12669 चेन्नै सेंट्रल-छपरा एक्सप्रेस, 22434 आनन्द विहार टर्मिनस-गाजीपुर सिटी, 12165 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-

गोरखपुर, 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस, 18205 दुर्ग-नौतनवा, 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया, 22584 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा और 22969 ओखा-बनारस एक्सप्रेस भी प्रयाग स्टेशन पर रुकेंगी। इन सभी ट्रेनों को दो मिनट का ठहराव दिया गया है।

श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए दो स्पेशल ट्रेन रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज के महाकुंभ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर रही है। उक्त दोनों ट्रेनों आजमगढ़ से मचिलीपट्टणम एवं आजमगढ़ से गुटूंर के लिए चलेगी। 7083/ 7084 मचिलीपट्टणम-आजमगढ़-मचिलीपट्टणम कुंभ मेला विशेष गाड़ी का संचलन 5 फरवरी को मचिलीपट्टणम से और 7 फरवरी को आजमगढ़ से एक फेरे के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में एलएसएलआरडी का एक, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का एक, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 8, शयनयान श्रेणी के 9, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 2 और जनरेटर सह लगेज यान के एक कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जाएंगे।

वाराणसी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 टन चाइनीज मंझे के जखीरे के साथ 8 गिरफ्तार

वाराणसी , एजेंसी। यूपी के वाराणसी में चाइनीज मंझे को लेकर सिगरा पुलिस ने शुक्रवार रात बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 15 टन चाइनीज मंझे के जखीरे के साथ 8 को गिरफ्तार किया है। लल्लापुरा के माताकुंड और छित्तूपुर से डेढ़ करोड़ की कीमत का 15 टन चाइनीज मंझा बरामद करते हुए सगे भाइयों समेत चार को गिरफ्तार किया है। अन्य कार्रवाई में मंडुवाडीह और रामनगर पुलिस ने 1.22 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद करते हुए चार को गिरफ्तार किया है।

एसीपी चेतगंज गौरव कुमार ने माताकुंड में छापेमारी कर दो भाइयों मो. आजम और मो. अफजल के गोदाम से 130 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद किया। छित्तूपुर के हरिनगर के दो भाइयों जितेंद्र और कुंदन कुशवाहा के गोदाम से 20 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद हुआ। पुलिस ने चारों पर केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। कुल 15 टन चाइनीज मंझे की कीमत 1.50 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पुलिस टीम को 50 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

यूपी के वाराणसी में चाइनीज मंझे को लेकर सिगरा पुलिस ने शुक्रवार रात बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 15 टन चाइनीज मंझे के जखीरे के साथ 8 को गिरफ्तार किया है। लल्लापुरा के माताकुंड और छित्तूपुर से डेढ़ करोड़ की कीमत का 15 टन चाइनीज मंझा बरामद करते हुए सगे भाइयों समेत चार को गिरफ्तार किया है। अन्य कार्रवाई में मंडुवाडीह और रामनगर पुलिस ने 1.22 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद करते हुए चार को गिरफ्तार किया है। एसीपी चेतगंज गौरव कुमार ने माताकुंड में छापेमारी कर दो भाइयों मो. आजम और मो. अफजल के गोदाम से 130 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद किया। छित्तूपुर के हरिनगर के दो भाइयों जितेंद्र और कुंदन कुशवाहा के गोदाम से 20 क्विंटल चाइनीज मंझा बरामद हुआ। पुलिस ने चारों पर केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। कुल 15 टन चाइनीज मंझे की कीमत 1.50 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पुलिस टीम को 50 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

बच्चों से पूछा, फिर छापेमारी : मंडुवाडीह पुलिस ने बच्चों से चाइनीज मंझे के बारे में जानकारी लेकर लहरतारा के सगे भाइयों मनीष गुप्ता और अनिल गुप्ता की बौलिया स्थित दुकान पर छापेमारी की। वहां 95 किलो चाइनीज मंझा मिला। रामनगर के कबीरपुर सुल्तानपुर में छापेमारी कर पुलिस ने 23 किलो चाइनीज मंझा जब्त किया। दुकानदार चंदौली के कबीरपुर के अभिषेक गुप्ता पर केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। साहित्यनाका मोड़ स्थित रोहित की पान की दुकान से 4.5 किलो मंझा बरामद हुआ। रोहित पर भी केस दर्ज किया गया।

बिक्री पर रोक लगाने के लिए एनजीटी में याचिका : चाइनीज मंझे का मामला शुक्रवार को एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) के प्रधान पीठ के समक्ष पहुंचा। अधिवक्ता और याचिकाकर्ता सौरभ तिवारी ने पीठ से स्पेशल टास्क फोर्स और उच्चस्तरीय कमेटी गठन करने की मांग की है। सौरभ तिवारी ने याचिका के माध्यम से एनजीटी को बताया कि चाइनीज मंझे से अकेले बनारस में छह वर्षों में पांच मौतें हुई हैं। हाल ही में एक युवक की मौत हुई है।

कबाड़ की मोटर में विस्फोट से कबाड़ी की मौत, साथी घायल

हरदोई। पुरानी मोटर को जलाकर तार निकालने के दौरान अचानक बिजली की मोटर फट गई। जिससे निकले लोहे के टुकड़े पास बैठे कबाड़ी की गर्दन में जा धंसे।

गंभीर हालत में उसे स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में पास बैठा उसका एक साथी भी घायल हो गया, जिसका उपचार स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटना की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक थाना व कस्बा बिलग्रमा स्थित गुलाब बाड़ी चुंगी के पास एक कबाड़ की दुकान है। जहां बिजली की पुरानी मोटर के तार को निकालने के लिए आग में जलाया जा रहा था। अचानक धमाके के साथ मोटर दग गई और लोहे के टुकड़े आसपास बिखर गए। धमाका इतना तेज था कि आसपास के दुकानदार भी सहम गए। इसी दौरान उस मोटर से निकला एक लोहे का टुकड़ा दुकानदार अजीम (40) पुत्र जाहिद निवासी मोहल्ला कासूपेट की गर्दन में जा धंसा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में पड़ोस के दुकानदार उसे उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पास में बैठा गुफरान (22) पुत्र रसीद निवासी मोहल्ला खुदपुरा गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में उसका उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है वास्तु सम्मत नव निर्माण

जीवन में सफलता पाने में शुभ ऊर्जा और सकारात्मक सोच की खासी जरूरत होती है, जो कि हमें आसपास के माहौल और हमारे निवास से मिलती है। ऐसे में यदि नव निर्माण वास्तु सम्मत कराया जाए तो घर का हर कोना आपको सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। अपने घर को वास्तु के अनुसार कुछ यूं बनाया जा सकता है।

स्नानघर

स्नानघर, गुसलखाना, नैऋत्य (पश्चिम-दक्षिण) कोण और दक्षिण दिशा के मध्य या नैऋत्य कोण व पश्चिम दिशा के मध्य में होना सर्वोत्तम है। इसका पानी का बहाव उत्तर-पूर्व में रखे। गुसलखाने की उत्तरी या पूर्वी दीवार पर एग्जास्ट फैन लगाना बेहतर होता है। गीजर आग्नेय (दक्षिण-पूर्व) कोण में लगाना चाहिए क्योंकि इसका संबंध अग्नि से है। ईशान व नैऋत्य कोण में इसका स्थान कभी न बनवाएं।

शौचालय

शौचालय सदैव नैऋत्य कोण व दक्षिण दिशा के मध्य या नैऋत्य कोण व पश्चिम दिशा के मध्य बनाना चाहिए। शौचालय में शौच करते समय आपका मुख दक्षिण या पश्चिम दिशा की ओर होनी चाहिए। शौचालय की सीट इस प्रकार लगाएं कि उस पर बैठते समय आपका मुख दक्षिण या पश्चिम की ओर ही हो। प्रयास करें शौचालय एवं स्नानगृह अलग-अलग बनाएं। वैसे आधुनिक काल में दोनों को एक साथ संयुक्त रूप में बनाने का फैशन चल गया है। उत्तरी व पूर्वी दीवार के साथ शौचालय न बनाएं।

मुख्यद्वार

द्वार में प्रवेश करते समय द्वार से निकलती चुंबकीय तरंगें बुद्धि को प्रभावित करती हैं। इसलिए प्रयास करना चाहिए कि द्वार का मुंह उत्तर या पूर्व में ही हो। दक्षिण और पश्चिम में द्वार नहीं होना चाहिए।

सोपान या सीढ़ी

भवन में सीढ़ियां वास्तु नियमों के अनुरूप बनानी चाहिए। सीढ़ियों का द्वार पूर्व या दक्षिण दिशा में होना शुभफलप्रद होता है। सीढ़ियां भवन के पाश्र्व में दक्षिणी व पश्चिमी भाग में दाएं ओर हो, तो उत्तम है। यदि सीढ़ियां घुमावदार बनानी हो, तो उनका घुमाव सदैव पूर्व से दक्षिण, दक्षिण से पश्चिम, पश्चिम से उत्तर और उत्तर से पूर्व की ओर होना चाहिए। कहने का मतलब यह है कि चढ़ते समय सीढ़ियां हमेशा बाएं से दाएं ओर मुड़नी चाहिए। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या में बनानी चाहिए। सीढ़ियों की संख्या ऐसी हो कि उसे 3 से भाग दें तो 2 शेष रहे। जैसे 5, 11, 17, 23, 29 आदि की संख्या। सीढ़ियों के नीचे एवं ऊपर द्वार रखने चाहिए। यदि किसी पुराने घर में सीढ़ियां उत्तर-पूर्व दिशा में बनी हो, तो उसके दोष को समाप्त करने के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा में एक कमरा बनाना चाहिए। वास्तु में सोपान का अहम रोल होता है।

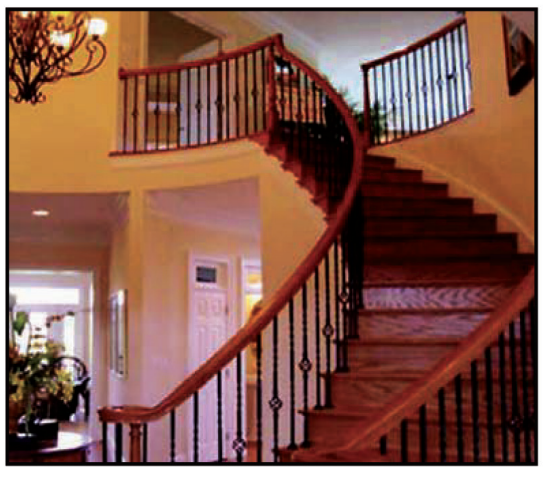

आंगन

भवन का प्रारूप इस प्रकार बनाना चाहिए कि आंगन मध्य में हो या जगह कम हो तो भवन में खुला क्षेत्र इस प्रकार उत्तर या पूर्व की ओर रखें जिससे सूर्य का प्रकाश व ताप भवन में अधिकाधिक प्रवेश करें। ऐसा करने पर भवन में रहने वाले स्वस्थ व प्रसन्न रहते हैं। पुराने समय में बड़ी-बड़ी हवेलियों में विशाल चौक या आंगन को देखकर इसके महत्व का पता चलता है।

खिड़कियां

भवन में मुख्य गेट के सामने खिड़कियां ज्यादा प्रभावी होती हैं। कहते हैं इससे चुंबकीय चक्र पूर्ण होता है औरघर में सुख-शांति निवास करती है। पश्चिमी, पूर्वी और उत्तरी दीवारों पर भी खिड़कियों का निर्माण शुभ होता है। भवन में खिड़कियों का मुख्य लक्ष्य भवन में शुद्ध वायु के निरंतर प्रवाह के लिए होता है। यहां सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि भवन में कभी भी खिड़कियों की संख्या विषम न रखें। सम खिड़कियां शुभ होती हैं।

बालकनी

हवा, सूर्य प्रकाश और भवन के सौंदर्य के लिए आवासीय भवनों में बालकनी का खासा स्थान है। बालकनी भी एक प्रकार से भवन में खुले स्थान के रूप में मानी जाती है। बालकनी से सूरज कीक किरणें और प्राकृतिक हवा मिलती है। वास्तु सिद्धांतों के अनुसार बालकनी बनाई जा सकती है। यदि पूर्वोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी उत्तर-पूर्व में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। बालकनी उत्तर-पश्चिम में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। यदि उत्तरोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी उत्तर-पूर्व में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। यदि दक्षिणोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी दक्षिण-पूर्व में दक्षिण दिशा में बनाएं। बालकनी का स्थान भूखंड के मुख पर निर्भर है। लेकिन प्रयास यह होना चाहिए कि प्रातः कालीन सूर्य एवं प्राकृतिक हवा का प्रवेश भवन में होता रहे। ऐसा होने से मकान कई दोषों से मुक्त हो जाता है।

स्वागत कक्ष या बैठक

आज के दौर में भवन में स्वागतकक्ष का महत्व सबसे ज्यादा है। प्राचीनकाल में इसे बैठक के नाम से जाना जाता था। स्वागतकक्ष या बैठक में मसनद व तकिए या फर्नीचर दक्षिण और पश्चिम दिशाओं की ओर रखना चाहिए। स्वागतकक्ष या बैठक जहां तक संभव हो उत्तर और पूर्व की ओर खुली जगह अधिक रखनी चाहिए। स्वागतकक्ष भवन में वायव्य और ईशान और पूर्व दिशा के मध्य में बनाना चाहिए।

जीवन में सफलता पाने में शुभ ऊर्जा और सकारात्मक सोच की खासी जरूरत होती है, जो कि हमें आसपास के माहौल और हमारे निवास से मिलती है। ऐसे में यदि नव निर्माण वास्तु सम्मत कराया जाए तो घर का हर कोना आपको सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है।

अध्ययन कक्ष

अध्ययन कक्ष हमेशा ईशान कोण में ही पूजागृह के साथ पूर्व दिशा में होना चाहिए। प्रकाश की ऊर्जा ही घर में सकारात्मकता लाती है, लिहाजा पूरब दिशा में स्टडी रूम काफी प्रभावी माना जाता है। वायव्य और पश्चिम दिशा के मध्य या वायव्य व उत्तर के मध्य बना सकते हैं। ईशान कोण पूजागृह के पास सर्वोत्तम है।

भोजनालय या भोजनकक्ष

भोजनकक्ष ड्राइंगरूम का ही एक भाग बन गया है या अलग भी बनाया जाता है। डायनिंग टेबल ड्राईंगरूम के दक्षिण-पूर्व में रखनी चाहिए अथवा भोजन कक्ष में भी दक्षिण-पूर्व में रखनी चाहिए।

मीटर बोर्ड, विद्युतकक्ष

अग्नि या विद्युत-शक्ति, मीटरबोर्ड, मेन स्विच, विद्युतकक्ष आदि भवन में दक्षिण-पूर्व (आग्नेय) दिशा में लगाने चाहिए। अग्नि कोण इसके लिए सदैव उत्तम रहता है।

गैराज

वाहन (कार, गाड़ी) खड़ा करने के लिए गैराज की आवश्यकता होती है। फ्लैट, बंगला या बड़े घर (जिसके पास जगह अधिक है) में गैराज दक्षिण-पूर्व या उत्तर-पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए। यह बात ध्यान में रखें कि गैराज में उत्तर और पूर्व की दीवार पर वजन कम होना चाहिए। यदि भूखंड पूर्वोन्मुखी है, तो दक्षिण-पूर्व दिशा में पूर्व की ओर, यदि भूखंड उत्तरोन्मुख है, तो उत्तर-पश्चिम दिशा में उत्तर की ओर, यदि भूखंड पश्चिमोन्मुख है, तो दक्षिण-पश्चिम दिशा में पश्चिम की ओर, यदि भूखंड दक्षिणोन्मुख हो, तो दक्षिण-पश्चिम दिशा में पश्चिम की ओर गैराज बनाना चाहिए।

जल प्रवाह

भवन निर्माण में जल के प्रवाह का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। भवन का समस्त जल प्रवाह पूर्व, वायव्य, उत्तर और ईशान कोण में रखना शुभ होता है। भवन का जल ईशान (उत्तर-पूर्व) या वायव्य (उत्तर-पश्चिम) कोण से घर से बाहर निकालना चाहिए। वास्तु के अनुसार दिशाओं का जरूर ध्यान रखें। दिशाएं दशा बदलने का माद्दा रखती हैं।

ड्राइंग रूम में कभी भी नकारात्मक चित्र न लगाएं

बैठक रूम को स्वागत कक्ष, ड्राइंग रूम या लिविंग रूम कहते हैं। बैठक रूप से ही आपके घर और व्यक्तित्व का पता तो चलता ही है साथ ही इससे वास्तु कैसा होगा यह भी पता चलता है। अतः यह ध्यान देना जरूरी है कि हम बैठक रूप में किसी तरह के चित्र लगा रहे हैं। यदि आप नकारात्मक चित्र लगाएंगे तो मन और मस्तिष्क में भी नकारात्मकता फैल जाएगी जो कि जिंदगी को बर्बादी के रास्ते पर भी ले जा सकती है, तो जानते हैं कि कौन से चित्र हम बैठक रूम में लगा सकते हैं।

- धन चाहिए तो बैठक रूम में हंस की बड़ी-सी तस्वीर लगाएं जिससे कि अपार धन-समृद्धि की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। इसके अलावा कहीं किसी कोने में धन के ढेर का एक छोटा-सा चित्र भी लगा सकते हैं।
- शांति चाहिए तो गृह कलह या वैचारिक मतभेद से बचने के लिए हंसते-मुस्कुराते संयुक्त परिवार का चित्र लगाएं। खुद के ही परिवार के सदस्यों का प्रसन्नचित मुद्रा में दक्षिण-पश्चिम दिशा के कोने में एक तस्वीर लगाएं।
- तरह तरह की तरक्की चाहिए तो समुद्र किनारे दौड़ते हुए 7 घोड़ों की तस्वीर लगाने के लिए पूर्व दिशा को शुभ माना गया है। यह तस्वीर किसी वस्तुशास्त्री से पूछकर ही लगाएं।
- घोड़ों की तस्वीर न लगाना चाहें तो आप तैरती हुए मछलियों के चित्र भी लगा सकते हैं। इससे भी तरक्की और खुशहाली के मार्ग खुलते हैं।
- बैठक रूम में घर के मुखिया की सीट के पीछे हरेभरे सुंदर पहाड़ या उड़ते हुए पक्षी का चित्र लगा सकते। ऐसी तस्वीरों से अत्मविश्वास और मनोबल बढ़ता है।
- बैठक रूम की पूर्वी दीवार को उगते हुए सूरज, फलों और फूलों की कुछ चित्रों द्वारा सजाया जा सकता है। यह मन में प्रसन्नता और ताजगी देता है।
- यदि आप बैठक रूम में देवी या देवताओं के चित्र लगाना ही चाहते हैं तो पूर्वोत्तर दिशा सर्वोत्तम है। इससे आपके और आने वाले अतिथि के मन में श्रद्धा और आस्था का भाव जागृत रहता है।
- पारिवारिक सुख और शांति हेतु आप बैठकर रूप में घोसले में अपने बच्चों के साथ बैठी चिड़िया का चित्र भी लगा सकते हैं। यह बहुत ही प्रसन्नता देगा।
- आसमान में उड़ते हुए पक्षियों का चित्र लगाने से भी शांति और खुशी के साथ ही समृद्धि का अहसास होता है, परंतु यह चित्र किसी वास्तु शास्त्री से पूछकर लगाएं।
- यदि आप किसी चित्रकार की पेंटिंग लगाना चाहते हो तो ऐसी पेंटिंग लगाएं जो सुंदर हो और सभी को समझ में आने वाली हो साथ ही जिसमें कई तरह के रंभ भरे हों।

बैठक रूम में कभी भी नकारात्मक चित्र न लगाएं, जैसे ताजमहल, महाभारत या किसी कांटेदार पौधे का चित्र। जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ठूंठ आदि के चित्र भी न लगाएं। बैठक रूप में कभी भी रेगिस्तान, बर्फिले क्षेत्र, सूखा या न समझ में आने वाली पेंटिग भी न लगाएं। किसी नेता, अभिनेता, अभिनेत्री, कार, बाइक, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा-सा चित्र भी न लगाएं। बैठक रूप में खुद का बड़ा-सा पोस्टर भी ना लगाएं। लगाना ही हो तो पूरे परिवार के साथ लगाएं। अभिनेता या नेता के चित्र लगाएंगे तो आपके बच्चे या खुद आप प्रतिदिन उनके ही चेहरे देखते रहेंगे और इससे जीवन में उन लोगों का आपके जीवन पर प्रभाव रहेगा। आपकी पढ़ियां भी उन्हीं से प्रेरित होती रहेगी। घर में आने वाले अतिथियों पर इसका गलत असर पड़ेगा। और भी कई बातें हैं जो सोची जा सकती है क्योंकि मन से ही भविष्य का निर्माण होता है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)